सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

9वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – 110092

सत्र: 2024-25

कक्षा: चार | विषय: हिंदी व्याकरण | पाठ: वर्ण

वर्ण विचार

****वर्ण भाषा की सबसे छोटी इकाई है, जिस के टुकड़े नहीं किए जा सकते हैं।**

****वर्ण के भेद:-वर्ण के दो भेद होते हैं।**

१-स्वर

२-व्यंजन

****स्वर:-जिन वर्णों का उच्चारण किसी अन्य ध्वनि की सहायता के बिना होता है ,उन्हें स्वर कहते हैं। हिंदी वर्णमाला में कुल ग्यारह (11) स्वर हैं।**

अ, आ इ ,ई ,उ, ऊ, ऋ ए, ऐ, ओ ,औ

****व्यंजन:-जिन वर्णों के उच्चारण में स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है ,उन्हें व्यंजन कहते हैं ।हिंदी वर्णमाला में तैंतीस (33) व्यंजन होते हैं।**

क से ह तक

वर्णमाला:- वर्णों का क्रम से लिखा गया समूह वर्णमाला कहलाता है।

****अनुस्वार (अं):- अनुस्वार का उच्चारण नाक से किया जाता है इसका चिह्न बिंदु (•) होता है।**

जैसे :-शंख ,पंख ,कंगन, गंगा ,जंगल, मंगल आदि।

**अनुनासिक (ँ) :- इसका उच्चारण नाक और गले से किया जाता है इसका चिह्न चंद्रबिंदु (ँ) होता है।

जैसे चाँद, आँख ,गाँव ,हँसना आदि।

**संयुक्त व्यंजन:-दो भिन्न व्यंजनों के मेल से बने व्यंजन संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं। यह संख्या में चार होते हैं।

क्+ष् = क्ष

त्+र् = त्र

ज्+ञ् = ज्ञ

श्+र् = श्र

मात्रा:- स्वरों का जो रूप व्यंजनों के साथ प्रयोग किया जाता है, मात्रा कहलाता है।

मात्राओं की संख्या दस (१०) होती है। 'अ' स्वर की कोई मात्रा नहीं होती।

**वर्ण विच्छेद:-किसी शब्द के प्रत्येक वर्ण को अलग -अलग करना वर्ण विच्छेद कहलाता है।

जैसे:- कमल- क्+अ+म्+अ+ल्+अ

पावन- प्+आ+व्+अ+न्+अ